विकास व समृद्धि के लिए एआइ का उपयोग जरूरी

- सोमवार को राजभवन में विवि की कार्यशाला के दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कही यह बात
- कहा, तकनीकों का सावधानीपूर्वक और सतर्क उपयोग हमारे जीवन में चल रहे परिवर्तनों को आगे बढ़ा सकता है

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि बदलते विश्व के केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) है। यह ऐसी ताकत है जो उद्योगों, समाज और हमारे अस्तित्व के मूल ढांचे को नया आकार दे रही है। विकास और समृद्धि के लिए एआइ का उपयोग करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तकनीकों का सावधानीपूर्वक और सतर्क उपयोग हमारे जीवन में चल रहे परिवर्तनों को आगे बढ़ा सकता है।

सोमवार को राजभवन में वीर माधो सिंह भंडारी तकनीकी विश्वविद्यालय, यूपीईएस, व क्वांटम विश्वविद्यालय, के सहयोग से 'एआइ, मेटावर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग के साथ कल का निर्माण' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल ने कहा कि आने वाला समय एआइ, मेटावर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग का है। आज पूरा विश्व तेजी से बदल रहा है जिसमें इन तीनों तकनीकों की बड़ी भूमिका रहेगी और इनसे कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रहेगा। इन तकनीकों को न अपनाने वाले देश विकास की दौड़ में बहुत पीछे रह जाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल उनके भविष्य को आकार देने में सहायक होंगे।

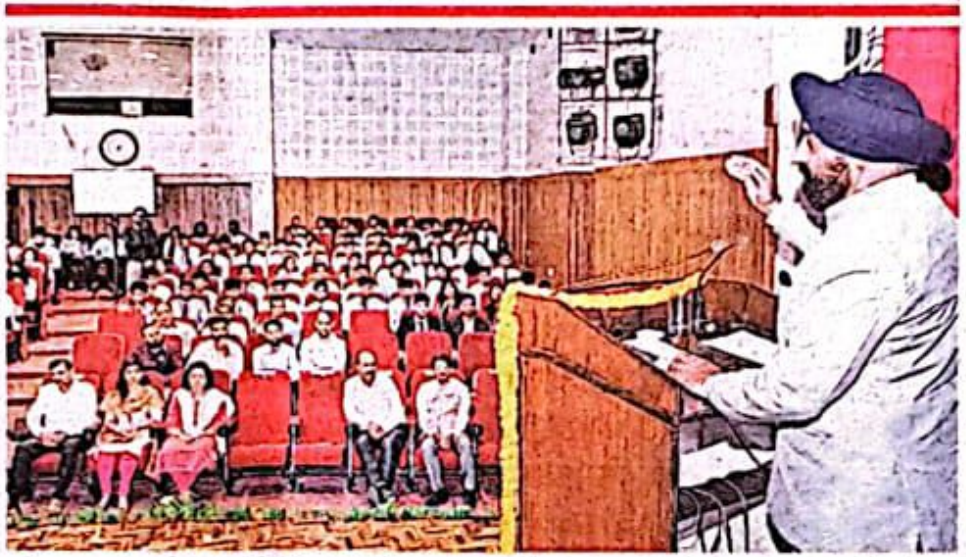

सोमवार को राजभवन में वीर माधो सिंह भंडारी तकनीकी विवि के तत्वावधान और यूपीईएस, देहरादून व क्वांटम विवि, रुड़की के सहयोग से 'एआई, मेटावर्स और क्वांटम कंप्यूटिंग के साथ कल का निर्माण' विषय पर कार्यशाला को संबोधित करते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) • साभार- सूवि

इस अवसर पर उन्होंने राजभवन की डिजिटल पहल राज्यपाल के एआइ चैटबाट 'स्पीच टू टेक्स्ट' और 'टेक्स्ट टू स्पीच' को भी लांच किया। तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए इस चैटबाट में राज्यपाल के भाषण की वीडियो को टेक्स्ट और टेक्स्ट को वीडियो रूप में परिवर्तित किया जा सकेगा। राज्यपाल ने एआइ चैटबाट तैयार करने वाले इंजीनियरिंग कालेज, द्वाराहाट अल्मोड़ा के प्रोफेसर विशाल कुमार और छात्र मयंक बिष्ट, दीपक सिंह व शुभम को प्रशंसा पत्र भी दिए।

कार्यशाला में राज्यपाल के विधिक परामर्शी अमित कुमार सिरोही, अपर सचिव स्वाति भदौरिया, उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओंकार सिंह, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुरेखा डंगवाल, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के प्रो एनकेजोशी उपस्थित रहे। हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एमएलबी भट्ट, उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति डा अरुण कुमार त्रिपाठी एवं उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश शास्त्री सहित विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि व छात्र छात्राएं भी इसमें सम्मिलित हुए।